

# ठोस अपशिष्ट प्रबंधन : भारत के विशेष संदर्भ में

डॉ. सुमन सिंह

असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष : भूगोल विभाग,

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चरखारी, जनपद, महोबा, उ० प्र०

[drsumansinghs@gmail.com](mailto:drsumansinghs@gmail.com)

**सारांश (Abstract) :** वर्तमान समय में तीव्र जनसंख्या वृद्धि, नगरीकरण, औद्योगीकरण तथा बदलती उपभोग प्रवृत्तियों के कारण ठोस अपशिष्ट (Solid Waste) की मात्रा निरंतर बढ़ रही है। भारत जैसे विकासशील देश में ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक प्रबंधन पर्यावरण संरक्षण, जनस्वास्थ्य तथा सतत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि ठोस अपशिष्ट का उचित संग्रहण, पृथक्करण, परिवहन, पुनर्चक्रण एवं सुरक्षित निस्तारण न किया जाए तो यह वायु, जल एवं मृदा प्रदूषण के साथ-साथ अनेक संक्रामक रोगों का कारण बनता है। प्रस्तुत शोध पत्र में भारत के विशेष संदर्भ में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की वर्तमान स्थिति, प्रमुख चुनौतियों, सरकारी प्रयासों तथा वैज्ञानिक प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि जन-जागरूकता, स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण, पुनर्चक्रण, स्थानीय निकायों की क्षमता वृद्धि तथा आधुनिक तकनीकों का उपयोग भारत में प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए आवश्यक है।

**मुख्य शब्द :** ठोस अपशिष्ट, पुनर्चक्रण, स्वच्छ भारत मिशन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण।